



DR. BAKSHI RAM

Dr. Bakshi Ram is a famous agriculture scientist.

2. Born on 1st July, 1959, Dr. Bakshi Ram received his Graduate, Master and Doctorate degrees in Plant Breeding from CCS Haryana Agricultural University, Hisar. He has a distinction of being Director of ICAR-Sugarcane Breeding Institute, Coimbatore and UP Council of Sugarcane Research, Shahjahanpur, two oldest sugarcane institutions of the country established in 1912.

3. Dr. Bakshi Ram has made commendable extension efforts to ensure that the farmers get benefitted from his varieties. As a result, varieties developed by him occupy 29.94 lakh hectares in Punjab, Haryana, UP, Uttarakhand and Bihar during 2020-21 which was about 89.9 percent of total sugarcane area in these states and 58.8 percent of the total sugarcane area in the country. Following his Modified Selection Procedure for developing early maturing varieties combining high cane yield and high sugar recovery, 22 sugarcane varieties were released and notified.

4. Co 0238, developed by Dr. Bakshi Ram, paved the way for sweet revolution in the country through large scale adoption. Co 0238 accounted for about 27.9 lakh hectare area (84.2%) in five sub-tropical states and 54.9 percent of the sugarcane area in the country. Adoption of Co 0238 led to about 19.7 t/ha higher cane yield and about 2.44 units higher sugar recovery. The gross economic benefit of Co 0238 is estimated at Rs. 2,71,885 crores, with an additional income of Rs. 67,010 crores during 2014-15 to 2019-20 in Punjab, Haryana, UP, Uttarakhand and Bihar. Breakthrough performance of Co 0238 in UP state has reversed the trend of demand for a sub-tropical variety in tropical states for the first time in the history of sugarcane agriculture in the country. Co 0238 has greatly contributed towards achieving the highest ever sugar production, that in turn led to a Governments' Policy decision on permitting direct conversion of sugarcane juice and B-Heavy molasses into ethanol. As a result, India has achieved 10 per cent ethanol blending which led to a saving of about Rs. 15,000 crores. Thus, Co 0238 has got the potential of eradicating poverty among farming community and to provide economic boost to sugar mills leading to National Prosperity.

5. Dr. Bakshi Ram has more than 435 publications to his credit and served as the President and Members of six academic Societies. For his illustrious achievements, he has been conferred with 48 Awards / Felicitations / Honours including Haryana Vigyan Ratna Award, Rafi Ahmed Kidwai Award, Fellowship of National Academy of Agricultural Sciences and Life-Time Achievement Awards by NFCSF Ltd., Society for Sugarcane Research and Development and All India Sugar Trade Association.

6. After Dr. Bakshi Ram retirement, he is advising the farmers and sugar factory personnel of 31 sugar mills in Haryana, UP and Bihar on increasing the sugarcane productivity with judicious use of minimum inputs to improve the net income of the farmers.



डॉ. बक्शी राम

डॉ. बक्शी राम एक प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक हैं।

2. 1 जुलाई 1959 को जन्मे, डॉ. बक्शी राम ने सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार से प्लांट ब्रीडिंग में ग्रेजुएट, मास्टर और डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्हें 1912 में स्थापित देश के दो सबसे पुराने गन्ना संस्थानों, आईसीएआर-शुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट, कोयम्बटूर और यूपी गन्ना अनुसंधान परिषद, शाहजहांपुर के निदेशक होने का गौरव प्राप्त है।
3. डॉ. बक्शी राम ने यह सुनिश्चित करने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं कि किसानों को उनकी किस्मों का लाभ पहुंचे। नतीजतन, उनके द्वारा विकसित किस्में 2020-21 के दौरान पंजाब, हरियाणा, यूपी, उत्तराखंड और बिहार में 29.94 लाख हेक्टेयर भूमि में उगाई गईं जो इन राज्यों के कुल गन्ना क्षेत्र का लगभग 89.9 फीसदी और देश के कुल गन्ना क्षेत्र का 58.8 फीसदी था। गन्ने की अधिक उपज और ज्यादा चीनी निकलने वाली किस्मों के साथ-साथ जल्दी पकने वाली किस्में विकसित करने की उनकी परिष्कृत चयन प्रक्रिया के बाद गन्ने की 22 किस्में जारी और अधिसूचित की गई हैं।
4. डॉ. बक्शी राम द्वारा विकसित सीओ 0238 ने देश में मीठी क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया क्योंकि उसे बड़े पैमाने पर अपनाया गया। सीओ 0238 पांच सबट्रॉपिकल राज्यों में लगभग 27.9 लाख हेक्टेयर क्षेत्र (84.2%) और देश में कुल गन्ना क्षेत्र के 54.9 फीसदी हिस्से में उगाया जाता है। सीओ 0238 को अपनाने से लगभग 19.7 टन/हेक्टेयर अधिक गन्ना उपज और चीनी की लगभग 2.44 यूनिट अधिक प्राप्त हुई। पंजाब, हरियाणा, यूपी, उत्तराखंड और बिहार में 2014-15 से 2019-20 के दौरान 67,010 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय के साथ सीओ 0238 का सकल आर्थिक लाभ 2,71,885 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया। उत्तर प्रदेश राज्य में सीओ 0238 के शानदार प्रदर्शन ने देश में गन्ना कृषि के इतिहास में पहली बार ट्रॉपिकल राज्यों में सब-ट्रॉपिकल किस्म की मांग का रुझान उलट दिया है। सीओ 0238 ने अब तक के अधिकतम चीनी उत्पादन में बहुत योगदान दिया है, जिससे गन्ने के रस और बी-हैवी शीरे को सीधे इथेनॉल में बदलने की अनुमति देने के सरकार के नीतिगत निर्णय को प्रेरित किया। परिणामस्वरूप, भारत ने 10 फीसदी इथेनॉल सम्मिश्रण हासिल कर लिया है, जिससे लगभग 15,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इस प्रकार, सीओ 0238 में किसान वर्ग की गरीबी दूर करने और चीनी मिलों को आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करने की संभावना है जिससे राष्ट्रीय समृद्धि बढ़ेगी।
5. डॉ. बक्शी राम ने 435 से अधिक शोध प्रकाशित किए हैं और उन्होंने छह शैक्षिक संस्थाओं के अध्यक्ष और सदस्य के रूप में कार्य किया है। उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए, उन्हें हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार, रफी अहमद किदवाई पुरस्कार, नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज की फेलोशिप सहित 48 पुरस्कार/सम्मान प्रदान किए गए हैं और एनएफसीएसएफ लिमिटेड, सोसाइटी फॉर शुगरकेन रिसर्च एंड डेवलपमेंट तथा अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ का लाइफ-टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया है।
6. सेवानिवृत्ति के बाद, डॉ. बक्शी राम किसानों की शुद्ध आय को बढ़ाने के लिए कम से कम साधनों के समझदारी भरे प्रयोग से गन्ना उत्पादन बढ़ाने पर हरियाणा, यूपी और बिहार में 31 चीनी मिलों के किसानों और चीनी मिल कर्मियों को परामर्श दे रहे हैं।